



Name: Sample, DOB: 18:12:1973

TOB: 01:45:00, PLACE: New Delhi, india ()

Mindsutra Software Technologies

www.mindsutra.com

Ph: 9818193410

श्रीगणेशाय नमः

गणानां त्वां गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वत्रूतिभिः सीद सादनम् ॥

नवग्रहस्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काशपेयं महाद्युतिम् । तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम् ॥
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदारणवसम्भवम् । नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम् ॥
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम् । कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम् ॥
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम् । सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम् ॥
देवानां च ऋषिणां च गुरुं कांचनसंनिभम् । बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम् ॥
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम् । सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम् ॥
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् । छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम् । सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम् ॥
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम् । रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ॥

फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः ।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति ।
नरनारीनृपाणां च भवेद्दुःस्वप्ननाशम् ।
ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम् ॥
ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्निसमुद्रवाः ।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो ब्रूते न संशयः ॥

इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ॥

जो जपापुष्प के समान अरुणिम आभावाले, महान तेज से संपन्न, अंधकार के विनाशक, सभी पापों को दूर करने वाले तथा महर्षि कश्यप के पुत्र हैं, उन सूर्य को मैं प्रणाम करता हूँ। जो दधि, शंख तथा हिम के समान आभा वाले, क्षीर समुद्र से प्रादुर्भूत, भगवान शंकर के शिरोभूषण तथा अमृतस्वरूप हैं, उन चंद्रमा को मैं नमस्कार करता हूँ। जो पृथ्वी देवी से उद्भूत, विद्युत् की कान्ति के समान प्रभावाले, कुमारावस्था वाले तथा हाथ में शक्ति लिए हुए हैं, उन मंगल को मैं प्रणाम करता हूँ। जो प्रियंगु लता की कली के समान गहरे हरित वर्ण वाले, अतुलनीय सौन्दर्य वाले तथा सौम्य गुण से संपन्न हैं, उन चंद्रमा के पुत्र बुध को मैं प्रणाम करता हूँ। जो देवताओं और ऋषियों के गुरु हैं, स्वर्णिम आभा वाले हैं, ज्ञान से संपन्न हैं तथा लोकों के स्वामी हैं, उन बृहस्पति जी को मैं नमस्कार करता हूँ। जो हिम, कुन्दपुष्प तथा कमलनाल के तन्तु के समान श्वेत आभा वाले, दैत्यों के परम गुरु, सभी शास्त्रों के उपदेष्टा तथा महर्षि भृगु के पुत्र हैं, उन शुक्र को मैं प्रणाम करता हूँ। जो नीले कज्जल के समान आभा वाले, सूर्य के पुत्र, यमराज के ज्येष्ठ भ्राता तथा सूर्य पत्नी छाया तथा मार्तण्ड से उत्पन्न हैं, उन शनैश्चर को मैं नमस्कार करता हूँ। जो आधे शरीर वाले हैं, महान पराक्रम से संपन्न हैं, सूर्य तथा चंद्र को ग्रसने वाले हैं तथा सिंहिका के गर्भ से उत्पन्न हैं, उन राहु को मैं प्रणाम करता हूँ। पलाश पुष्प के समान जिनकी आभा है, जो रुद्र स्वभाव वाले और रुद्र के पुत्र हैं, भयंकर हैं, तारकादि ग्रहों में प्रधान हैं, उन केतु को मैं प्रणाम करता हूँ। भगवान वेदव्यास जी के मुख से प्रकट इस स्तुति का जो दिन में अथवा रात में एकाग्रचित्त होकर पाठ करता है, उसके समस्त विघ्न शान्त हो जाते हैं, स्त्री-पुरुष और राजाओं के दुःस्वप्नों का नाश हो जाता है। पाठ करने वालों को अतुलनीय ऐश्वर्य और आरोग्य प्राप्त होता है तथा उनके पुष्टि की वृद्धि होती है।

Astrological Particulars

Main Details

Date of Birth	18:12:1973(Tuesday)
Astrological Day	Monday
Time of Birth	01:45:00
Place of Birth	New Delhi, india
Latitude	028:39:00N
Longitude	077:13:00E
War/Day Time Correction	-00:00
GMT at Birth	020:15:00
Local mean Time	001:23:52 hrs
Sidreal Time	007:09:06 hrs
LMT Correction	-000:21:07
Aynamsha	N.C.Lahiri(023:29:36)
Sun Rise Time	07:11:22AM
Sun Set Time	05:24:25PM
Vikram Samvat	2030
Saka Samvat	1895
Samvastar	Pramadi
Samvastar Lord	Indragni

Ghatak Chakra

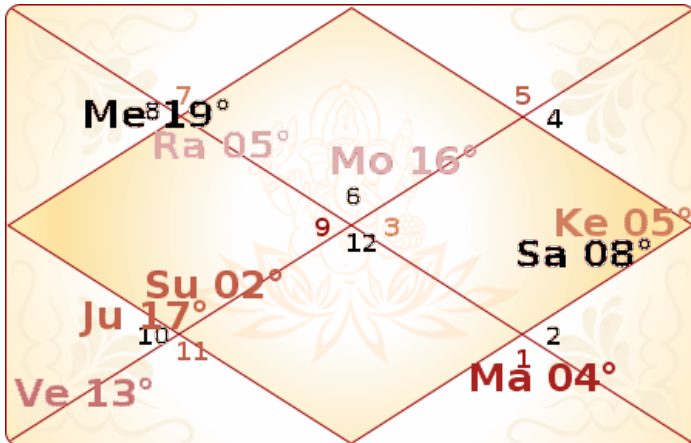
Rashi	Mithuna
Masa	Bhadra
Tithi	5,10,15
Day	Saturday
Nakshatra	Shravana
Prahar	1
Lagna	Meena
S S Yoga	Sukarman
Karana	Koulava

Avakahada Chakra

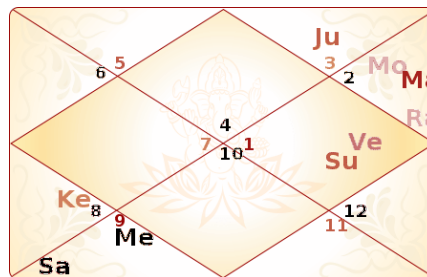
Lagna (Ascendant)	Virgo
Lagna Lord	Mercury
Rashi (Moon-Sign)	Virgo
Rashi Lord	Mercury
Nakshatra (Constellation)	Hastha
Nakshatra Lord	Moon
Nakshatra Charan	2
Ritu (Season)	Hemanta
Masa (Month)	Pousha
Paksha	Krishna
Tithi (Moon's elongation)	Navami
Tithi Class	Rikta
Tithi Lord	Sun
Karna	Garija
Karana Class	Chara
Karna Lord	Vasudeva
Gana (Spritual inclination)	Deva
Yoni (Nature)	Buffalo(F)
Varna (Ego Development)	Vaishya
Surya Siddhanta Yoga	Soubhagya
Rajju (Prone part)	Kantha
Vashya (Compatibility)	DwiPada
Tatwa (Element)	Agni
Vihaga (Symbol)	Vayasa
Tatwa Lord	Mars
Nadi (Health)	Adi(Vata)
Nadi-pada (Constitution)	Madhya(Pitta)
Vedha (Incompatibility with)	Shatavisha
Adyakshara (First letter)	Shaa
Paya (Posture)	Swarna

Planetary Positions

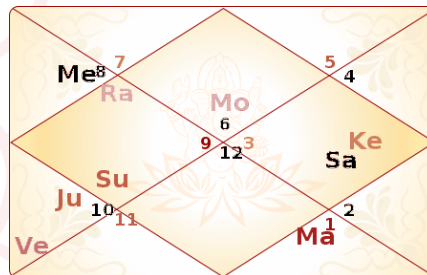
Lagna Kundali



Navamsha Kundali



Moon Kundali



Planetary Positions And Dispositions

Planets	Signs	Amsha	Speed	S Lord	Nak.	Ch	NN	N.L.	Nav.	NV Lord	Status
Ascendant	Virg	21:42:13	---	Merc	Hast	4	13	Moon	Cncr	Moon	
Sun	Sagi	02:15:49	01:01:04	Jup	Moola	1	19	Ketu	Arie	Mars	Friend's Sign
Moon	Virg	16:00:57	13:01:33	Merc	Hast	2	13	Moon	Taur	Ven	Own Nakshatra
Mars	Arie	04:42:17	00:14:54	Mars	Ashw	2	1	Ketu	Taur	Ven	Own Sign
Mercury (C)	Scor	19:51:24	01:31:14	Mars	Jyes	1	18	Merc	Sagi	Jup	Own Nakshatra
Jupiter	Cpcn	17:56:39	00:12:02	Sat	Shra	3	22	Moon	Gemi	Merc	Debilitated
Venus	Cpcn	13:00:16	00:32:45	Sat	Shra	1	22	Moon	Arie	Mars	Friend's Sign
Saturn (R)	Gemi	08:12:33	00:04:55	Merc	Arid	1	6	Rahu	Sagi	Jup	Friend's Sign
Rahu (R)	Sagi	05:10:35	00:03:10	Jup	Moola	2	19	Ketu	Taur	Ven	Neautral Sign
Ketu (R)	Gemi	05:10:35	00:03:10	Merc	Mrig	4	5	Mars	Scor	Mars	Neautral Sign
Uranus	Libr	03:20:59	00:02:22	Ven	Chit	4	14	Mars	Scor	Mars	---
Neptune	Scor	14:20:40	00:02:10	Mars	Anur	4	17	Sat	Scor	Mars	---
Pluto	Virg	13:11:14	00:00:46	Merc	Hast	1	13	Moon	Arie	Mars	---

Degree-Distance between Planet to Planet

	Asc	Sun	Mo	Mar	Mer	Jup	Ven	Sat	Rah	Ket	Urn	Nep	Plu
Asc	--	71	354	193	58	116	111	257	73	253	12	53	351
Sun	289	--	284	122	348	46	41	186	3	183	301	342	281
Mo	6	76	--	199	64	122	117	262	79	259	17	58	357
Mar	167	238	161	--	225	283	278	64	240	60	179	220	158
Mer	302	12	296	135	--	58	53	198	15	195	313	354	293
Jup	244	314	238	77	302	--	355	140	317	137	255	296	235
Ven	249	319	243	82	307	5	--	145	322	142	260	301	240
Sat	103	174	98	296	162	220	215	--	177	357	115	156	95
Rah	287	357	281	120	345	43	38	183	--	180	298	339	278
Ket	107	177	101	300	165	223	218	3	180	--	118	159	98
Urn	348	59	343	181	47	105	100	245	62	242	--	41	340
Nep	307	18	302	140	6	64	59	204	21	201	319	--	299
Plu	9	79	3	202	67	125	120	265	82	262	20	61	--

Vimshottari Dasha

Vimshottari Balance of Dasha at birth

(as per N.C.lahiri Ayanamsha :023:29:36): Moon :5.0 y.5.0 m.26 d.

S.N	Dasha	Duration	From
1	Moon	5.0 y.5.0 m.26 d.	18:12:1973
2	Mars	7.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:1979
3	Rahu	18.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:1986
4	Jupiter	16.0 y.0.0 m.0 d.	13:06:2004
5	Saturn	19.0 y.0.0 m.0 d.	13:06:2020
6	Mercury	17.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:2039
7	Ketu	7.0 y.0.0 m.0 d.	13:06:2056
8	Venus	20.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:2063
9	Sun	6.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:2083

Moon Dasha

Antara	From
Moon	
Mars	
Rahu	
Jupiter	
Saturn	18:12:1973
Mercury	14:04:1975
Ketu	13:09:1976
Venus	14:04:1977
Sun	13:12:1978

Mars Dasha

Antara	From
Mars	14:06:1979
Rahu	10:11:1979
Jupiter	28:11:1980
Saturn	04:11:1981
Mercury	13:12:1982
Ketu	10:12:1983
Venus	08:05:1984
Sun	08:07:1985
Moon	13:11:1985

Rahu Dasha

Antara	From
Rahu	14:06:1986
Jupiter	24:02:1989
Saturn	20:07:1991
Mercury	26:05:1994
Ketu	13:12:1996
Venus	31:12:1997
Sun	31:12:2000
Moon	25:11:2001
Mars	26:05:2003

Jupiter Dasha

Antara	From
Jupiter	13:06:2004
Saturn	01:08:2006
Mercury	12:02:2009
Ketu	20:05:2011
Venus	25:04:2012
Sun	25:12:2014
Moon	13:10:2015
Mars	12:02:2017
Rahu	19:01:2018

Saturn Dasha

Antara	From
Saturn	13:06:2020
Mercury	17:06:2023
Ketu	24:02:2026
Venus	05:04:2027
Sun	05:06:2030
Moon	17:05:2031
Mars	16:12:2032
Rahu	25:01:2034
Jupiter	01:12:2036

Mercury Dasha

Antara	From
Mercury	14:06:2039
Ketu	10:11:2041
Venus	07:11:2042
Sun	07:09:2045
Moon	14:07:2046
Mars	13:12:2047
Rahu	10:12:2048
Jupiter	29:06:2051
Saturn	04:10:2053

Ketu Dasha

Antara	From
Ketu	13:06:2056
Venus	10:11:2056
Sun	10:01:2058
Moon	17:05:2058
Mars	16:12:2058
Rahu	14:05:2059
Jupiter	01:06:2060
Saturn	08:05:2061
Mercury	17:06:2062

Venus Dasha

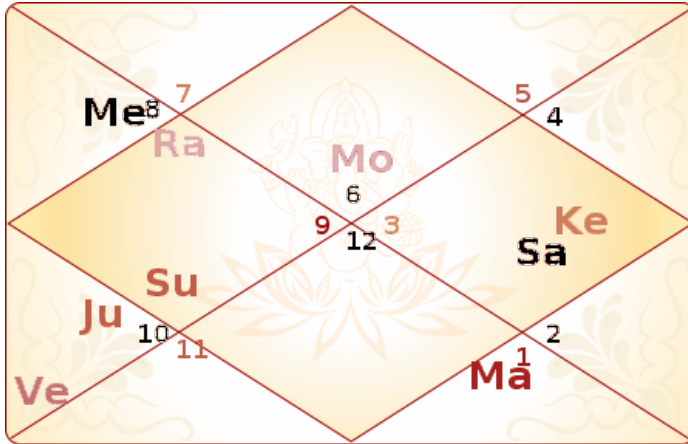
Antara	From
Venus	14:06:2063
Sun	13:10:2066
Moon	13:10:2067
Mars	14:06:2069
Rahu	14:08:2070
Jupiter	14:08:2073
Saturn	13:04:2076
Mercury	14:06:2079
Ketu	14:04:2082

Sun Dasha

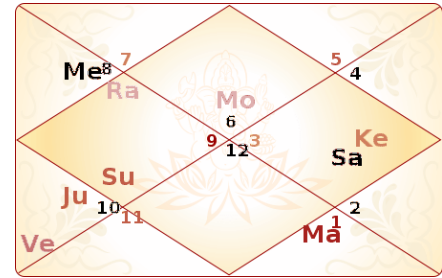
Antara	From
Sun	14:06:2083
Moon	01:10:2083
Mars	01:04:2084
Rahu	07:08:2084
Jupiter	02:07:2085
Saturn	20:04:2086
Mercury	02:04:2087
Ketu	06:02:2088
Venus	13:06:2088

Bhav Sphutas & Kundalis

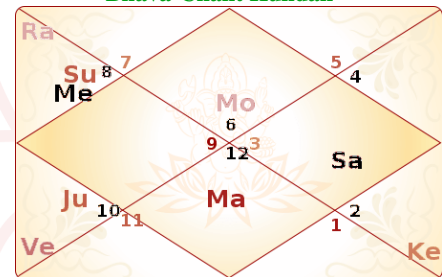
Lagna Kundali



Bhava Kundali



Bhava-Chalit Kundali



Bhava No.	Bhav Mid		Bhav Span(From...To)			
1	Virgo	21:42:13	Virgo	06:49:31	Libra	06:49:31
2	Libra	21:56:50	Libra	06:49:31	Scorpio	07:04:08
3	Scorpio	22:11:26	Scorpio	07:04:08	Sagittarius	07:18:44
4	Sagittarius	22:26:02	Sagittarius	07:18:44	Capricorn	07:18:44
5	Capricorn	22:11:26	Capricorn	07:18:44	Aquarius	07:04:08
6	Aquarius	21:56:50	Aquarius	07:04:08	Pisces	06:49:31
7	Pisces	21:42:13	Pisces	06:49:31	Aries	06:49:31
8	Aries	21:56:50	Aries	06:49:31	Taurus	07:04:08
9	Taurus	22:11:26	Taurus	07:04:08	Gemini	07:18:44
10	Gemini	22:26:02	Gemini	07:18:44	Cancer	07:18:44
11	Cancer	22:11:26	Cancer	07:18:44	Leo	07:04:08
12	Leo	21:56:50	Leo	07:04:08	Virgo	06:49:31

Degree-Distance between Planet to House

HS	Sun	Mo	Mar	Mer	Jup	Ven	Sat	Rah	Ket	Urn	Nep	Plu
I	71	354	193	58	116	111	257	73	253	12	53	351
II	40	324	163	28	86	81	226	43	223	341	22	321
III	10	294	133	358	56	51	196	13	193	311	352	291
IV	340	264	102	327	26	21	166	343	163	281	322	261
V	310	234	73	298	356	351	136	313	133	251	292	231
VI	280	204	43	268	326	321	106	283	103	221	262	201
VII	251	174	13	238	296	291	77	253	73	192	233	171
VIII	220	144	343	208	266	261	46	223	43	161	202	141
IX	190	114	313	178	236	231	16	193	13	131	172	111
X	160	84	282	147	206	201	346	163	343	101	142	81
XI	130	54	253	118	176	171	316	133	313	71	112	51
XII	100	24	223	88	146	141	286	103	283	41	82	21

Saturn Transit

द्वादशे जन्मगै राशौ द्वितीये च शनैश्चर। सर्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुखैर्युतो भवेत्॥

(The seven and half year period during which Saturn transits in the twelfth, first and second from the birth rashi (Moon Sign) is called sadhesati of Saturn.)

First Cycle

Sadhesati Cycle	Transit in Sign	Begining Date	Ending Date	Duration(Y-M-D)	Saturn Moorti
First Dhayya	Leo	07/09/1977	04/11/1979	2.0 y.1.0 m.28 d.	Tamra
First Dhayya	Leo	15/03/1980	27/07/1980	0.0 y.4.0 m.12 d.	Tamra
Second Dhayya	Virgo	04/11/1979	15/03/1980	0.0 y.4.0 m.10 d.	Swarna
Second Dhayya	Virgo	27/07/1980	06/10/1982	2.0 y.2.0 m.10 d.	Rajat
Third Dhayya	Libra	06/10/1982	21/12/1984	2.0 y.2.0 m.15 d.	Tamra
Third Dhayya	Libra	01/06/1985	17/09/1985	0.0 y.3.0 m.17 d.	Swarna
Kantak Shani	Sagittarius	17/12/1987	21/03/1990	2.0 y.3.0 m.3 d.	Tamra
Kantak Shani	Sagittarius	20/06/1990	15/12/1990	0.0 y.5.0 m.26 d.	Lauha
Ashtam Shani	Aries	17/04/1998	07/06/2000	2.0 y.1.0 m.21 d.	Rajat

Second Cycle

Sadhesati Cycle	Transit in Sign	Begining Date	Ending Date	Duration(Y-M-D)	Saturn Moorti
First Dhayya	Leo	01/11/2006	10/01/2007	0.0 y.2.0 m.10 d.	Tamra
First Dhayya	Leo	16/07/2007	10/09/2009	2.0 y.1.0 m.26 d.	Rajat
Second Dhayya	Virgo	10/09/2009	15/11/2011	2.0 y.2.0 m.6 d.	Swarna
Second Dhayya	Virgo	16/05/2012	04/08/2012	0.0 y.2.0 m.19 d.	Tamra
Third Dhayya	Libra	15/11/2011	16/05/2012	0.0 y.6.0 m.1 d.	Rajat
Third Dhayya	Libra	04/08/2012	02/11/2014	2.0 y.2.0 m.29 d.	Rajat
Kantak Shani	Sagittarius	26/01/2017	21/06/2017	0.0 y.4.0 m.24 d.	Swarna
Kantak Shani	Sagittarius	26/10/2017	24/01/2020	2.0 y.2.0 m.29 d.	Swarna
Ashtam Shani	Aries	03/06/2027	20/10/2027	0.0 y.4.0 m.18 d.	Swarna
Ashtam Shani	Aries	23/02/2028	08/08/2029	1.0 y.5.0 m.14 d.	Lauha
Ashtam Shani	Aries	05/10/2029	17/04/2030	0.0 y.6.0 m.12 d.	Rajat

Third Cycle

Sadhesati Cycle	Transit in Sign	Begining Date	Ending Date	Duration(Y-M-D)	Saturn Moorti
First Dhayya	Leo	27/08/2036	22/10/2038	2.0 y.1.0 m.25 d.	Swarna
First Dhayya	Leo	05/04/2039	13/07/2039	0.0 y.3.0 m.8 d.	Swarna
Second Dhayya	Virgo	22/10/2038	05/04/2039	0.0 y.5.0 m.13 d.	Tamra
Second Dhayya	Virgo	13/07/2039	28/01/2041	1.0 y.6.0 m.17 d.	Tamra
Second Dhayya	Virgo	06/02/2041	26/09/2041	0.0 y.7.0 m.19 d.	Swarna
Third Dhayya	Libra	28/01/2041	06/02/2041	0.0 y.0.0 m.9 d.	Lauha
Third Dhayya	Libra	26/09/2041	11/12/2043	2.0 y.2.0 m.15 d.	Rajat
Third Dhayya	Libra	23/06/2044	30/08/2044	0.0 y.2.0 m.7 d.	Swarna
Kantak Shani	Sagittarius	08/12/2046	06/03/2049	2.0 y.2.0 m.27 d.	Tamra
Kantak Shani	Sagittarius	10/07/2049	04/12/2049	0.0 y.4.0 m.25 d.	Tamra
Ashtam Shani	Aries	07/04/2057	27/05/2059	2.0 y.1.0 m.20 d.	Swarna

Recommendation for suitable Gemstone (Ratna)

Gemstone(Ratna) For Ascendant-Lord



Ascendant(Lagna) Lord - Mercury

Your Ascendant-lord is Mercury. Since it is not debilitated and is neither placed in a trika-house, nor situated in a 'maraka' house, you can wear a gemstone for the planet Mercury.

Ratna (Gemstone) for Planet Mercury



Physical Attributes of Emerald

Emerald is very attractive and hard stone, but it may be chipped easily. It is available in dark and bright green colors. It symbolizes adjustment, love towards nature and happiness. Green Jade, Peridot, Green Tourmaline, Tsavorite, Green Diopside etc. are substitutes for Emerald.

Benefits of wearing Emerald

By wearing emerald, wearer gets success, fortune and happiness. It sharpens the intelligence and improves learning ability, foresight, recalling power, faith, insight and clear vision. Wearing emerald is beneficial for health - especially for nervous system and eyes. It is helpful in getting deep and complete knowledge of anything. It protects from fear from poisonous animals and envious people. It removes the effect of poison and helps in digestion. It removes all sins. By wearing emerald, wealth, property and children gets increases.

Impact of Emerald on diseases

By wearing emerald or using ash of emerald, following diseases get cured - stone, burl of anal,

polyuria, bleeding, piles, bile fever, fever, cough, kidney related problems, blood related problems, migraine etc.

Important instructions for wearing Emerald



Wearer should always wear emerald with good luster, clean color and free from blemishes, it will increase fortune. Emerald should be worn in ring or locket made of gold. It should be in constant touch with the skin, so wearing in ring will be more beneficial. The weight of emerald should be 3-7 carat (3-7 ratti). Men should wear stones in right hand and women should wear in left hand. When Mercury is transiting through Gemini or Virgo sign or Mercury is in Ashlesha, Jyeshtha or Rewati constellation or Mercury is placed in Navamsha of Mercury or Sun, then set emerald in ring made of gold between sunrise to 2 hours after sunrise on Wednesday.

On Wednesday, get free from routine work, take a bath and wear clean/fresh clothes after 2 hours of sunrise. After that, sit in front of the idol of Lord Ganesha to perform worship while facing towards east. First of all, light a lamp filled with Ghee and light some incense sticks, then offer flowers, fruits and sweets to deity. After that, wash the gemstone ring or locket with Panchamrita (mix of milk, curd, ghee, sugar and honey). Now re-wash this gemstone ring or locket with Ganga Jala or pure water and place it to the feet of deity.

Now, recite the beeja mantra of Mercury for 9 times. After this, recite dhyana mantra and rigaveda mantra for once. And at the end, recite Budha ashtottara shatanamavali (108 names of Mercury). Now, hold your palms together, close your eyes and concentrate on Lord Mercury and kneel down. After that, wear ring in little finger or locket around your neck with full faith.

Procedure for donation of Emerald

Mercury Yantra

9	4	11
10	8	6
5	12	7

Write Mercury Yantra on silver plate, set an emerald in the middle of yantra and perform “Prana-Pratishtha”. Then enchant the emerald on Wednesday by Mercury mantra. Keep worshipping yantra for 64 days by reciting Mercury mantra. Now, donate yantra with gold, coral, bronze, ghee, camphor, green cloth, ivory and dakshina to the priest. All the malefic effects gets removed and desires gets fulfilled by donating this way.

The time period of effect of Emerald

Starting from the day, stone set in ring, emerald remains effective till 3 years and after that it becomes ineffective. So, wearer should change emerald after 3 years.

Gemstone(Ratna) For 9th house Lord (Navamesh)



9th House Lord - Venus

Since your 9th-lord is the lord of a maraka house, wearing a gem-stone for the 9th-lord will not be advisable for you.

Gemstone(Ratna) For Yoga-Karaka Planet

Yoga-Karak Planet -

There is no natural yoga-karaka planet for your Ascendant.

Gemstone(Ratna) For Temporal Yoga-Karaka Planet



Temporal Yoga-Karak Planet -Saturn

The planet Saturn is the temporal yoga-karaka in your chart. Since it is not exalted or debilitated or situated in own house, you can wear a gemstone for the planet Saturn.

Ratna (Gemstone) for Planet Saturn



Physical Attributes of Sapphire

Blue Sapphire is very attractive stone. It is known for its beauty, magnificent color, transparency, resistance and stability. Generally, it is available in blue color. It is symbol of adjustment, sympathy, friendship, credit and loyalty. Tanzanite, Blue spinal, and Amethyst are substitutes for Blue Sapphire.

Benefits of wearing Sapphire

By wearing Blue Sapphire, wearer gets success, fortune and happiness. It bestows stability in wearer's life. Blue Sapphire protects from evil eye and envy from others. It also protects from danger while traveling. Blue Sapphire is very helpful in recovering from illness and mental unrest or mental problems. It improves creative works/thinking, intuition and concentration. It is beneficial in cold and biliousness and protects from outburst of Saturn. By wearing Blue Sapphire, wearer gets longevity, respect, fame, knowledge and wealth. It ensures respect from government, protects from enemies and frees from enchantment.

Impact of Sapphire on diseases

By wearing Blue sapphire or using it as medicine, following diseases get cured - eye diseases, bleeding from mouth, hiccup, madness, cough, fever, sermon, indigestion, odd fever etc.

Important instructions for wearing Sapphire



Wearer should always wear blue sapphire with good luster, clean color and free from blemishes, it will increase fortune. Blue sapphire should be worn in ring or locket made of gold, silver or iron. It should be in constant touch with the skin, so wearing in ring will be more beneficial. The weight of emerald should be 3-7 carat (minimum 4 ratti). Men should wear stones in right hand and women should wear

in left hand. When Saturn is transiting through Capricorn or Aquarius sign or exalted in Libra sign or there is Uttarashadha, Sravan, Dhanishtha, Shatabhisha, Purvabhadrapada, Chitra, Swati or Vishakha constellation on Saturday, then that day wear Blue Sapphire settled in gold, silver or Iron.

On Saturday, get free from routine work, take a bath and wear clean/fresh clothes before 2 hours 40 minutes of sunrise. After that, sit in front of the idol of Lord Ganesha to perform worship while facing towards east. First of all, light a lamp filled with Ghee and light some incense sticks, then offer flowers, fruits and sweets to deity. After that, wash the gemstone ring or locket with Panchamrita (mix of milk, curd, ghee, sugar and honey). Now re-wash this gemstone ring or locket with Ganga Jala or pure water and place it to the feet of deity.

Now, recite the beeja mantra of Saturn for 23 times. After this, recite dhyana mantra and rigaveda mantra for once. And at the end, recite Shani ashtottara shatanamavali (108 names of Saturn). Now, hold your palms together, close your eyes and concentrate on Lord Saturn and kneel down. After that, wear ring in middle finger or locket around your neck with full faith.

Procedure for donation of Sapphire

Saturn Yantra

12	7	14
13	11	9
8	15	10

Write Saturn Yantra on lead, iron or 'Ranga' plate, set a blue sapphire in the middle of yantra and perform 'Prana-Pratishtha'. Then enchant the blue sapphire on Saturday by Saturn mantra. Perform 'Deep Bali' during noon. After that, donate yantra with iron, urad, mustard oil, buffalo, black cloth and dakshina to the priest. All the malefic effects gets removed and desires gets fulfilled by donating this way.

The time period of effect of Sapphire

Starting from the day, stone set in ring, blue sapphire remains effective till 5 years and after that it becomes ineffective. So, wearer should change blue sapphire after 5 years.

Janma Rashi(Moon Sign) based Rudraksha recommendation

As your birth rashi (Moon Sign) is Virgo, 4-face Rudraksha is being recommended for you.



The presiding deity of this Rudraksha is Brahma. To the wearer, it confers creativity and ensures long life. It removes blemish of Brahma Hatya. It confers religion, lust, wealth, honour & emancipation.



Thread four-faced rudraksh in red thread on Thursday, make it touch to banana tree after sunrise and wear it around neck after enchanting from AUM BRAHMA DEVAY NAMH.

As your birth rashi (Moon Sign) is Virgo, 6-face Rudraksha is being recommended for you.



The presiding deity of this Rudraksha is Kartikeya. To the wearer, it represents the Pancha Tatwa (or the five elements), and confers health, peace, prosperity, and happiness. It removes blemish of Brahma Hatya when one wears it around right arm. It confers intellectual & physical gains when one wears it around neck.



Thread 3 beads of six-faced rudraksh in red thread on Monday, make it touch to Shivling and wear it around neck while enchanting AUM NAMA SHIVAY KARTIKEYA NAMA.

Time for wearing Rudraksha

Generally Monday is considered as auspicious day for wearing rudraksh, but to wear on day of Shivaratri is best. Besides this, auspicious time for wearing rudraksh is mentioned below:

Auspicious Month (Hindi Masa)

Aashwin & Kartik Months - Best
Margshirsh & Falgun Months - Good
Aasharh & Sravan months - Below Average
Bhadrapad, Paush & More Month (Malamas) - Inauspicious

Auspicious Day

The day on which planet & castellation are favorable to name sign of wearer, he / she should wear rudraksh on that day.

Sunday, Monday, Wednesday, Thursday and Friday are best for wearing Rudraksha, while Tuesday and Saturday are considered as inauspicious.

Auspicious Phase (Paksha)

For materialistic comforts, Rudraksh should wear during Waxing Moon (Shukla Paksha) and for spiritual gain rudraksh should wear during Waning Moon (Krishna Paksha).

Auspicious Tithi

2nd, 5th, 10th, 13th & Full Moon light (Purnima) dates of Hindi months are best for wearing rudraksh.

Auspicious Ascendant

Aries, Cancer, Libra, Scorpio, Capricorn & Aquarius are auspicious ascendant for wearing rudraksh.

Auspicious Constellation (Star)

Swati, Vishakha, Rohini, Jyeshtha, Uttaraphalguni, Uttarasharha, Hast, Ashwini, Dhanishtha, Shatbhisha & Shravan constellations are auspicious for wearing rudraksh. Besides this, wearing rudraksh during any eclips, Makar Sankranti, Ayan, Shiv Chaudas, Basant Panchami and full dark night (Amawasya) is also good.

Desired Rules for wearing Rudraksh (Shstrokta rules)



Clean your mouth after becoming fresh in the morning. Recitation or enchanting done from unclean mouth may not produce desired results.

मुखशुद्धि विहीनस्य न मंत्रः फलदायकः ।
दंतजिह्वा विशुद्धिं च ततः कुर्यात् प्रयत्नतः ॥

After it, take pure water for bath. After taking bath, concentrate your mind and start worship. Before starting of worship, you must purify land. Mantra for purification of land:

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वाः ।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यंतरः शुचिः ॥

Use Kush (a kind of weed) Aasan (Seat) for sitting while worshipping and face towards East. Keep a vessel filled with pure water during worship. Keep coconut on the vessel and perform Pran Pritishta proceeding. Invite all Goddess & Gods along with Kuldevta and worship rudraksh.

First of all, wash the Rudraksha from cow dung, cow's urine, milk, curd, ghee etc. (Panchgavya), then wash it again with Ganges water or pure water. Now, take 9 banyan leaves in a bronze dish and form eightpedaled (ashtadal) lotus from 8 leaves out of taken 9 leaves and keep one leaf at centre of lotus. Keep rudraksha on centre leaf. Now, recite 'Om Namah Shivaya' mantra for three times. After that, pour water on yourself and all the materials are being used in worship, while reciting following mantra for three times -

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वाः ।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यंतरः शुचिः ॥

ॐ गुरुभ्यो नमः । ॐ गणेशाय नमः । ॐ कुलदेवताभ्यो नमः । ॐ इष्टदेवताभ्यो नमः । ॐ मातृपितृचरणकमलेभ्यो नमः ।

Now take ganges water in right hand with spoon and drink it while reciting each following mantra -

ॐ केशवाय नमः। ॐ नारायणाय नमः। ॐ माधवाय नमः।

Now, wash your hand while reciting following mantra and leave the water on ground -

ॐ गोविन्दाय नमः।

Now, take ganges water in right hand and recite following mantra of Pranayam Viniyoga and leave the water on ground -

ॐ प्रणवस्य परब्रह्म ऋषिः परमात्मा देवता देवी गायत्री छंदः प्राणायामे विनियोगः।

Then, perform three Pranayama with following mantra -

ॐ भूः ॐ भुवः ॐ स्वः ॐ महः ॐ जनः ॐ तपः ॐ सत्यम्।

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि।

धियो यो नः प्रचोदयात्। ॐ आपो ज्योतिः रसोऽमृतं ब्रह्म भूर्भुवः स्वरोम्।

Now, recite following mantra while pouring water on rudraksha through Kush or spoon -

ॐ सद्योजातं प्रपद्यामि सद्योजाताय नमो नमः।

भवे भवेनाति भवे भावस्वमान भवोद्भवाय नमः ॥

Then, recite following mantra while adhibiting sandal and fragranced oil in flower and make it touch to redraksha -

ॐ वामदेवाय नमः, ॐ ज्येष्ठाय नमः, ॐ श्रेष्ठाय नमः, ॐ रुद्राय नमः, ॐ कलविकरणाय नमः, ॐ बलविकरणाय नमः, ॐ बलाय नमः, ॐ बलप्रमथनाय नमः, ॐ सर्वभूतदमनाय नमः, ॐ मनोन्मनाय नमः।

Then, recite following mantra while offering Dhoop -

ॐ अघोरेभ्यो अघघोरेभ्योः घोर घोरतरेभ्यः।

सर्वेभ्यः सर्व शर्वेभ्यो नमस्तेस्तु रुद्ररूपेभ्यः ॥

Then apply sandal and fragranced oil with flower while reciting Rudra Gayatri mantra -

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्।

After applying sandal, concentrate on bead of rudraksh and recite Ishan mantra -

ॐ ईशानः सर्वविद्यानामीश्वरः सर्वभूतानां।

ब्रह्माधिपतिर्ब्रह्मणोऽधिपतिः ब्रह्मा शिवो मे अस्तु सदा शिवोम् ॥

Specific rules for wearing 4-face Rudraksha

Viniyoga -

Take Ganges water in spoon in the right hand, recite following Viniyoga Mantra and leave the water on the ground.

ॐ अस्य श्री ब्रह्म मंत्रस्य भार्गव ऋषिः, अनुष्टुप छन्दः, ब्रह्मा देवता, वां बीजं, क्रां शक्तिः, सिद्धयर्थे रुद्राक्ष धारणार्थं जपे विनियोगः।

Rhishyadinyas -

Touch your own body parts - head, mouth, heart and legs respectively by your right hand while reciting following mantra.

ॐ भार्गव ऋषिः नमः शिरसि, अनुष्टुप छन्दसे नमः मुखे, ब्रह्मदेवतायै नमः हृदि, वां बीजाय नमः गुह्ये, क्रां शक्तये नमः पादयो, विनियोगाय नमः सर्वांगे।

Karnyas -

Touch thumb, index finger, middle finger, ring finger, little finger and front-back side of your palm while reciting following mantra.

ॐ ॐ अंगुष्ठाभ्यां नमः, ॐ वां तर्जनीभ्यां नमः, ॐ क्रां मध्यमाभ्यां नमः, ॐ तां अनामिकाभ्यां नमः, ॐ हां कनिष्ठिकाभ्यां नमः, ॐ ईं करतल करपृष्ठाभ्यां नमः।

Hridyadinyas -

Touch your heart, head, both arms and eyes while reciting following mantra and by the last mantra, take your hands above your head, take a round from back to front and give a clap on left hand by index finger and middle finger.

ॐ ॐ हृदयाय नमः, ॐ वां शिरसे स्वाहा, ॐ क्रां शिखायै वषट्, ॐ हां कवचाय हुम्। ॐ तां नेत्रत्रयाय वौषट्, ॐ ईं अस्त्राय फट्।

Dhyan Mantra -

प्रणम्य शिरसा शाश्वदष्टनेत्रं चतुर्मुखम्।

गायत्रीसहितं देवं नमामि विधिमीश्वरम् ॥

Recite one of the following mantra for 1188 times. After completing recitation, keep rudraksh in a copper vessel. After doing Pranayam, take vessel filled with water in left hand and touch lower part of vessel from right hand and remove the right hand. Then sprinkle water on rudraksh and wear it.

१-ॐ वां क्रां तां हां इं (मूल मंत्र)

२-ॐ ह्रीं हूं नमः

३-ॐ ह्रीं

४-ॐ ह्रीं नमः (पंचाक्षरी मंत्र)

५-ॐ नमः शिवाय

६-ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगंधिंपुष्टिवर्धनम्, उर्वारुकमिवबंधनान्मृत्योर्मक्षीय माऽमृतात् ।

Specific rules for wearing 6-face Rudraksha

Viniyoga -

Take Ganges water in spoon in the right hand, recite following Viniyoga Mantra and leave the water on the ground.

ॐ अस्य मंत्रस्य दक्षिणामूर्ति ऋषिः, पंक्ति छन्दः, श्री षष्ठमुखौ देवता, ऐं बीजं, सौं शक्तिः, क्लीं कीलकं, रुद्राक्ष धारणार्थे जपे विनियोगः ।

Rhishyadinyas -

Touch your own body parts - head, mouth, heart and legs respectively by your right hand while reciting following mantra.

ॐ दक्षिणामूर्ति ऋषये नमः शिरसि, पंक्ति छन्दसे नमो मुखे, कार्तिकेय देवतायै नमो हृदि, ऐं बीजाय नमो गुह्ये, सौं शक्तये नमः पादयो, क्लीं कीलकायै नमः नाभौ, विनियोगाय नमः सर्वांगे ।

Karnyas -

Touch thumb, index finger, middle finger, ring finger, little finger and front-back side of your palm while reciting following mantra.

ॐ ॐ अंगुष्ठाभ्यां नमः, ॐ ह्रीं तर्जनीभ्यां नमः, ॐ श्रीं मध्यमाभ्यां नमः, ॐ क्लीं अनामिकाभ्यां नमः, ॐ सौं कनिष्ठिकाभ्यां नमः, ॐ ऐं करतल करपृष्ठाभ्यां नमः ।

Hridyadinyas -

Touch your heart, head, both arms and eyes while reciting following mantra and by the last mantra, take your hands above your head, take a round from back to front and give a clap on left hand by index finger and middle finger.

ॐ ॐ हृदयाय नमः, ॐ ह्रीं शिरसे स्वाहा, ॐ श्रीं शिखायै वषट्, ॐ क्लीं कवचाय हुम् । ॐ सौं नेत्रत्रयाय वौषट्, ॐ ऐं अस्त्राय फट् ।

Dhyan Mantra -

क्रौञ्चपर्वतविदारणलोलो दानवेन्द्रवनिताकृतलण्डः ।

चूतपल्लवशिरोमणिचोदी भोष्ण्डानन जगत्परिपाहि ॥

Recite one of the following mantra for 1188 times. After completing recitation, keep rudraksh in a copper vessel. After doing Pranayam, take vessel filled with water in left hand and touch lower part of vessel from right hand and remove the right hand. Then sprinkle water on rudraksh and wear it.

१-ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं सौं ऐं (मूल मंत्र)

२-ॐ ह्रीं नमः

३-ॐ ह्रूम्

४-ॐ ह्रूं नमः

५-ॐ ह्रीं हुं नमः (पंचाक्षरी मंत्र)

६-ॐ नमः शिवाय

७-ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगंधिंपुष्टिवर्धनम्, उर्वारुकमिवबन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ।

General Rules for wearing Rudraksh

First of all, wash rudraksha with ganges water on any Mondays or any other auspicious day. Then, apply sandal on rudraksha. After that, offer Dhoop, lamp (Deep) etc. on rudraksha and then offer flower. After that, make it touch with Shivalinga and recite 'Om Namah Shivaya' mantra for at least 11 times. Now, remember Lord Shiva and wear it or keep it at worshipping place.

After wearing Rudraksha follow these instructions.

मद्यं मांसं च लासुनं पलांडुं शिग्रुं एव च ।

श्लेषं अंतकं विद्वाराहं भक्षयं वर्जये नरः ॥

- Don't have non-vegetarian food stuffs, drugs (alcohol etc.), garlic, onion or any prohibited food stuff after wearing of Rudraksh. Always have vegetarian food.
- Don't make Rudraksh a show off thing.
- Don't wear rudraksh at night and keep it at worshipping place & after taking bath in the morning wear it while reciting AUM NAMAH SHIVAY at least 5 times. Whenever you put off the rosary, do keep it at worshipping place.
- Don't have proud.
- Be benevolent.
- Don't insult or misuse rudraksh.
- Control your temperament.
- Behave & think virtuously.
- Don't abuse anybody.
- Follow the Brahmcharya.
- Pour Gangajal on Rudraksh.
- Don't use soap while taking bath.
- Keep place clean and untainted while worshipping or wearing rudraksh.
- Maintain the holiness of rudraksh.
- Always wear rudraksh after getting done routine work and having bath.
- Don't criticize any person or religion.
- Stay away from dirtiness.
- Have faith in rudraksh.

- Give up lust, anger, lure & greediness.
- Never hang rudraksh rosary on wall.
- Keep away rudraksh from the woman whose menstrual cycle in on.
- Don't go in any cremation while wearing rudraksh.

Some Tests for checking the genuineness of the Rudrakshas

Floatation test:

When a genuine Rudraksha seed is gently placed on water, it will sink; but if a fake one is placed on water, it will always float.

Copper Test:

A genuine Rudraksha is very hot, and has electromagnetic attraction with Copper. If beads are held with a string over a small round thin piece of Copper metal sheet (like a piece of Copper coin of old days), they tend to show a slow gradual rotational movement. If the rotation is observed to be in clockwise direction, then it is considered auspicious; otherwise, it is to be rejected – as it might be defective.

Milk test:

If an authentic Rudraksha seed is kept in a cup of milk for a day, the milk will not get spoilt. But if it is a fake one, the milk is to become spoilt.

Gem (Ratna) Recommendations for Virgo Lagna

Wear gem accordingly for overcoming from problems or getting rid of troubles or enhancing the luck or increasing the numbers of auspicious results and diminishing the inauspicious results.

Recommendations for Ruby



Sun is lord of expenditure house in your horoscope. Wearing of ruby may be inauspicious for you.

Recommendations for Pearl



In your horoscope, Moon is the lord of 11th house, which will give you mixed results. You may not get very much favorable results by wearing Pearl.

In your horoscope, Moon is not a significator planet. Wear Pearl only after consultation with learned astrologer.

If you are suffering from mental restlessness or cold-cough or there is lack of Calcium in your body and Moon is not situated with malefic planets Rahu and Saturn in your horoscope, then wearing Pearl will be beneficial.

Recommendations for Coral

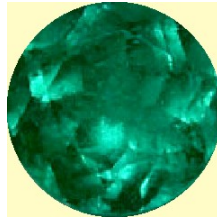


In your horoscope, Mars is lord of 3rd and 8th house. You should not wear Coral.

If you are suffering from blood, muscular, marrow etc. related diseases, then you should wear Coral.

Mars is situated in 8th house in your horoscope. You should not wear coral.

Recomendations for Emerald



Mercury is lord of ascendant & 10th house in your horoscope. Wearing of emerald will be beneficial for you.

If you are suffering from mental or speech disorder, epilepsy, hysteria, facing impediments in education, wearing of emerald will be beneficial for you.

Recomendations for Yellow Sapphire



In your horoscope, Jupiter is lord of 4th and 7th house. Wearing Yellow Sapphire will be beneficial for you.

If you are engaged in any business related to cotton, textile, literature etc., wearing of Yellow Sapphire will be beneficial for you.

Jupiter has enmity with ascendant lord Mercury in your horoscope. So wear Yellow Sapphire after consulting with a learned astrologer.

If you are facing impediments in your marriage or your marriage is delaying or facing problems in married life, you must wear dark yellow Yellow Sapphire.

Recomendations for Diamond



In your horoscope, Venus is lord of 2nd and luck/fortune house. To get favorable results in adverse

circumstances, you should wear diamond.

Venus is lord of Luck house in your horoscope. Wearing of diamond may be beneficial for you.

If you are facing impediments in your marriage or your marriage is delaying or facing problems in married life or you are not getting comfort of spouse due to any reason, you should wear diamond.

If you are engaged in any business related to food, juice, cosmetic etc., wearing of Yellow Sapphire will be beneficial for you.

In your horoscope, Venus is not situated with Mercury or Saturn. If you are suffering from any sexual or secret diseases, then wearing Diamond will be beneficial for you.

Recomendations for Sapphire



In your horoscope, Saturn is lord of 5th and 6th house. Wearing Sapphire will be beneficial for you.

You must wear sapphire during the beginning of Sadesati or Dhaiya.

In your horoscop, Saturn has influence on 9th, 10th or first house. Wearing of sapphire will be beneficial for you.

In your horoscope, Ascendant lord is friend planet of Saturn. To get favorable results related with diseases, enemy, education, children, speech etc., you may wear Sapphire.

Recomendations for Gomed



Rahu is not lord of any specific sign, therefore final decision of auspiciousness and inauspiciousness of Rahu is based on position of Rahu (House and Sign) and Saturn in horoscope.

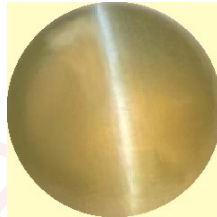
Always wear Zireon (Gomed) according to planetary position of Saturn in your horoscope, otherwise

this may prove harmful.

Rahu is situated in quadrant (1, 4, 7, 10) or trine (5, 9) house in your horoscope. If you want to get position, earn honour & fame in society, wearing of Zireon (Gomed) will be beneficial for you.

Your moon sign is not Aries, Scorpio or Sagittarius. Wearing Zireon (Gomed) will be beneficial for you.

Recomendations for Cat's Eye



Ketu is not lord of any specific sign, therefore final decision of auspiciousness and inauspiciousness of Ketu is based on position of Ketu in horoscope.

Don't wear Cat's Eye without consulting any learned astrologer. Cat's Eye should wear only for limited period. After receiving favorable results, it should be conge.

Ketu is situated in quadrant or trine house from ascendant & Moon both in your horoscope, you should wear cat's eye.

If there is any possibility of unknown fear, terror, accident, blame or you are suffering from any mental ailment, you should wear cat's eye.

Your moon sign is Taurus, Gemini or Cancer and Ketu is situated in 6th, 8th, 10th or 12th house. You should not wear Cat's Eye.

Astrologers Note-

If you have Kalsarp or Brahm, Mother, Father, Wife blemish in your horoscope or you are facing problems related to debt, insult, sorrow, poverty, disease etc., you should wear ring or locket of silver or gold embedding three gems.

Pendant-



1. Emerald
2. Sapphire
3. Diamond

Ring -

1. Diamond - In index finger
2. Sapphire - In Middle finger
3. Emerald - In ring finger



Important -

1. Gem for enhancing your luck - Diamond
2. Gem for job, profession & wealth - Emerald
3. Gem for children, education, fame - Sapphire
4. Gem causing severe trouble, diseases, enemy, loss - Coral, Ruby

Mantra, Yantra and Remedies related to planet Sun



ॐ आदित्याय विद्महे दिवाकराय धीमहि तन्नः सूर्यः प्रचोदयात् ।



भास्वान्कार्यपगोत्रजोऽरुणरुचिर्यः सिंहराशीरवरः
षट्त्रिस्थो दश शोभनो गुरुराशीभौमेषु मित्र सदा ।
शुक्रो मंदरिपुकलिङ्गजनितरचाऽग्नीरवरो देवता
मध्येवर्तुल पूर्वादिग् दिनकरः कुर्यात् सदा मंगलम् ॥

Ratna (Gems) for Planet Sun



Result of Sun according to its position in house/Sign

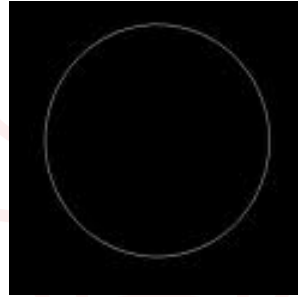
In your horoscope, Sun is situated in sign Sagittarius. As Sun is happily placed in a friendly sign, you will be fortunate in many respects. You will be endowed with an elegant and impressive physical structure of broad build. You will be highly enthusiastic, energetic, and always optimistic. You will be a learned, wise, and prudent person; people will attach value and importance to your ideas and opinions, and hold you in high esteem. You will be respectful to elders, treat pious people with reverence, and have firm faith in religion and God. Although inherently you will be a peace-loving person, you may have great interest in mastering martial arts for defensive purpose; you may efficiently utilize your expertise for rendering suitable training to the conscientious eligible persons. You will achieve excellence in your sphere of work, and be a source of inspiration to many followers.

In your horoscope, Sun is situated in the 4th-house. As your Ascendant is Virgo, the position of the 12th-lord Sun in the 4th is not a favorable combination in certain respects. Your mother may not be in

good health, and your domestic life may not be peaceful or happy. Besides, there could be division of or even loss of property owing to typical dissension among your family-members. If some modifying influences are not present in your chart, then your family might lose its honor - probably owing to some of your thoughtless deeds. Your education might be disrupted, and you may have to leave your home and native place all on a sudden under circumstantial compulsion.

Blemish related to Planet Sun

Birth on complete dark night (Amavashya) day



If you are born on Amavasya, your family and mental comfort may be lesser, deserving honour may reduce and you may face impediment in child comfort. You may have to struggle hard to get success and can not get recognition even after having abilities.

You are not born on Amavasya tithi.

Debilitated Sun (Kartik Masa) Birth

Kartik Birth blemish is applicable when native is born during position of Sun in its debilitated sign Libra. Influence of Kartik birth blemish is maximum around its lowest point.

Kartik Birth blemish is not applicable in your Horoscope.

Birth on Sun Sankranti day

The day when Sun enters in its next sign, is called as Transition day. If you have been born on this day, sun may produce malefic effects on your financial position, health and generation inherent legacy.

Transition day (snakranti) Birth blemish is not applicable in your Horoscope.

Sarpshirsha blemish

If Sarpshirsh blemish is applicable in your horoscope, then according to Shastra, you may lack all kinds of comforts and may remain in death like pain.

Sarpshirsh blemish is not applicable in your horoscope.

Birth during Kranti Samya or Mahapat

If you have born During Kranti Samya or Mahapat, then your health and physical comfort may

lessen. You may be helpless.

Kranti Samya or Mahapat birth blemish is not applicable in your horoscope.

Sapat (Sun with Rahu or Ketu) blemish

If sun is situated with Rahu or Ketu in your birth horoscope, then Sapat (with Rahu or Ketu) Sun blemish is applicable in your horoscope. Your decision making power may be affected and you may meet with any sudden accident.

Sapat (with Rahu or Ketu) Sun blemish is applicable in your horoscope.

Remedies for peace -

You should recite Rudrasukta Path along with Traymbakam mantra as Samput to remove this blemish. Every year on your birth day, give 28 or 108 Aahuti by dipping green grass (Doob) in Ghee with Traymbakam mantra. Have fast on same day.

Fasting (Vrata) for Planet Sun



It may be little difficult for many people to recite hymn (Mantra) properly. Having fast on the ruling day of troublesome planet is an easy remedy for them.

You should have fast on Sunday during Gochar, Mahadasha or Antardasha of Sun to diminish the inauspicious effect of Sun. Fast should start from first Sunday of ascending moon (Waxing Moon) of Jyeshtha month. This fast should perform minimum for 12 Sundays and maximum for 30 Sundays. You should eat wheat flour bread, Gud, Halawa & Ghee during fast. Don't have salt. You should have your food before Sunset. If you recite Beej mantra or Tantrik mantra of Sun for 540 times (5 rosaries) while wearing red clothes & applying red sandal on forehead, it will be more beneficial to you. At last perform Holocaust with Hawan and donate grains, money and food to Brahmins as per your capacity.

Respect your parents and elders. You will be happy, int lived and prosperous by practicing it, because it is believed that haven exists in feet of parents. If you serve your parents, take care of them properly, you will get respect and happiness from your children.

As you sow, so as you reap - you will get results according to your actions. You will get mental peace,

happiness and prosperity due to your good deeds. On the contrary, you may face various kinds of problems in your life due to bad deeds.

Use of roots to pacify the malefic effects of Sun



There are several methods of distress pacification of planets like donation, recitation of mantra, wearing of gem etc. Wearing of roots is also an easy method for it and it is beneficial too.

Dig up and bring the roots on day related to planet during any auspicious time. Before digging up any root, invite after smoldering the Dhoop and pouring water in it in previous evening. Then dig it up next day before sun rise without using any tool. Root should not cut with any tool.

For Sun, wear the root of Bel or Bent around your neck, arm or waist on Sunday or during Kritika, Uttaraphalguni or Uttarashadha castellation during sunrise after sewing it in pink cloth.

Hawan stuffs used to pacify the malefic effects of planet Sun



To get rid from inauspicious results of planet, Hawan is a significant remedy. Materials used in Hawan is enough beneficial. These stuffs make surroundings holy aint with pacifying planet. Hawan stuffs contain several kinds of roots and herbs and due to this reason its ashes is also very beneficial and alleviate the some diseases totally.

Materials: Khas, Honey, Nagarmotha, Amaltas, Green Cardamom

Roots: Bel Mool aand Kamal Bent

Method and Mantras for pouring water (arghya) on sun



By pouring water on Sun, all desires are getting fulfilled. It enhances intelligence and provides much more favors and benefits

During Sunrise, fill copper vessel with pure water and mix red sandal, red flower, rice and milk in it and then pour water to Sun while facing towards Sun. First of all, contemplate Sun and recite following Viniyoga Mantra -

ॐ तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धियो नमोऽस्तुते ।
सूर्योऽस्य नमोऽस्तुते ।

Then pour water to sun while reciting following Mantra -

एहि सूर्य सहस्रांशो तेजोरशो जगत्पते ।
रूणाकर मे देव गृहाणार्घ्यं नमोऽस्तुते ॥

Dhyan Mantra -

रक्ताम्बुजासनमरोषगुणैकसिन्धुं भानुं समस्तजगतामधिपं भजामि ।
पद्मद्वयाभयवरान् दधतः कराब्जैर्मणिक्यमौलिमरुणाङ्गरुचिं त्रिनेत्रम् ॥

Surya Namaskar



Surya Namaskar (Greeting Sun) Mantra -

जपा कुसुम संकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम् ।
तमोऽरि सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम् ॥

By greeting Sun (Surya Namaskar), soul becomes purified, get relief from mental embroilments and obstructions and health becomes better.

Easy remedies for Planet Sun

Mindsutra Software Technologies

www.mindsutra.com

Ph: 9818193410

After getting up in the morning, wash your mouth and recite Gayatri mantra for 10 or 28 time while facing towards east. After taking bath, recite Dwadashakshar mantra of Lord Ganesha and Surya kavach and then offer water to Sun. Recite Ashtakshar mantra of Sun for 10 or 28 times while facing towards Sun. Recite Gayatri mantra for 10 or 28 times before sleeping at night.

- 1-Don't discharge urine or feces while facing towards Sun & Moon or in running water, river or pond.
- 2-Don't disrespect your parents.
- 3-Stay away from mental or physical violence, malicious behavior.
- 4-Don't lose your temper without any reason.

Bath & Donation for planet Sun

You should donate wheat, whole Masoor, Gud, any matter of copper and red flowers. You should mix saffron or crushed cardamom or its scent in water and take bath from same.

Yantra for Planet Sun

Draw yantra on birch by using red sandal, Ashtgandh or sandal mixed with saffron by pen made of gold, silver, basil or pomegranate. Yantra can be drawn on gold, silver or copper. But these types of yantras can be worshiped only. For wearing purpose, always draw yantra on birch only. Yantra should always wear in an amulet made of gold, silver or copper. Yantra should be made by person who is wearing sacred thread. In this way, Yantra becomes more powerful and gives full impact on wearer.

6	1	8
7	5	3
2	9	4

Tantrik Yantra

	9	18	10	11	
7	31	16	19	13	1
17	8	6	12	22	26
30	20	5	21	3	23
28	15	14	4	24	32
	29	27	25	2	

Mantra, Yantra and Remedies related to planet Moon



ॐ अत्रिपुत्राय विद्महे सागरोद्भवाय धीमहि तन्नश्चन्द्रः प्रचोदयात् ।



चन्द्रः कर्कटकप्रभुः सितनिभश्चात्रेय गोत्रोद्भव-
श्चाग्नेयश्चतुरस्र वारुणमुखश्चापोऽप्युमाधीश्वरः।
षट् सप्तानि दशैक शोभनफल शौरिः प्रियोऽर्को गुरुः
स्वामी यामुनदेशजो हिमकरः कुर्यात् सदा मंगलम॥

Ratna (Gemstone) for Planet Moon



Result of Moon according to its position in house/Sign

In your horoscope, Moon is situated in sign Virgo. Owing to this reason, you will be fortunate in many respects. You will be endowed with beautiful/ handsome appearance with attractive physical features, graceful manners, compromising nature, and pleasing disposition. You will be a learned person, well versed in sacred ancient classics, endowed with eloquence, and have true compassion for others. You will be quite popular in your walk of life, and have a large circle of friends and acquaintances. You will be fond of having company of the agreeable members of the opposite gender. Your marriage will be fruitful, have more daughters, and your domestic life will be blissful and happy. Your religious inclination will be profound; you will regularly observe the traditional rites, listen to discourses from a relatively early age-period, and visit many holy shrines.

In your horoscope, Moon is situated in the Ascendant. For this, you will be endowed with a fruitful imagination and sensitive nature; you may also have the gift of intuition. You may have a timid nature,

but will also be somewhat restless and inconstant; you may have change of employment and of residence quite a few times. If Moon is situated in sign Cancer, then you are sure to become very wealthy; and if Moon is in sign Scorpio, then you may suffer from health-problems and become quite indolent. However, if Moon is in Taurus, then your family wealth will increase; but you may have the fear of facing traffic accident a few times.

Blemish related to Planet Moon

Birth in same Nakshatra (Star) of Father, Mother, Brother or Sister

If you have born in constellation of your siblings or parents, One constellation birth blemish is applicable in your horoscope. This blemish can create disturbances in comforts and peace of entire family. It may affect your health badly.

Remedies for peace -

Make a worshipping place at a clean place in your home and install a Kalash in Ishan Kone from that place. Cover the Kalash with new cloth. Then worship all the constellation after worshipping god. Now worship birth constellation deity on Kalash specifically. Perform Hawan by giving 108 Aahuti from mantra of birth constellation. Donate grains, clothes according to your capacity. You should perform this remedy in favorable transit of Moon during Waxing Moon (From 9th Tithi to Poornima), auspicious accendant, Rikta Tithi and Bhadra Karan.

Moon in Ascendant blemish

If Moon is situated in ascendant in your birth horoscope, then this blemish is applicable in your horoscope. Your ideology may be so strong that you can not change it with time. You may be obstinate and somewhat impractical. Your mental condition may affect your working ability.

Moon is in ascendant blemish is applicable in your horoscope.

Remedies for peace -

You should recite Rudrasukta Path along with practicing simple remedies of Moon to remove this blemish.

Weak Moon Blemish

If you have born on any day between 8th day of Krishna Paksha to 5th day of Shukla Paksha. Then weak Moon blemish is applicable in your horoscope. You may be short tempered, careless and doer of aimless work. Sometimes you may get depressed.

Weak Moon blemish is applicable in your horoscope.

Remedies for peace -

Apart from easy remedies for peace of Moon, worshipping of lord Shiva is one of the best remedy to

remove this blemish. The worship should be in proportion of weakness of Moon, i.e., weaker the Moon, more the worship.

Kemdruma yoga

If there is no any planet is situated in previous and next houses of Moon. Then Kemdrum Yoga is applicable in your horoscope. You may face the scarcity of money through out the life and your family comfort and mental peace may reduce on this account. If any planet is situated with Moon or any planet aspects Moon or any planet is situated in quadrant from Moon or ascendant in your horoscope, then influence of Kemdrum Yoga is reduced.

Kemdrum Yoga blemish is applicable in your horoscope.

Remedies for peace -

Apart from easy remedies for peace of Moon, you should recite Daridrayadahan Strot of lord Shiva written by sage Vashishth to remove this blemish.

Sapat (Moon with Rahu or Ketu) blemish

If Moon is situated with Rahu or Ketu in your birth horoscope. Then Sapat (Moon with Rahu or Ketu) Moon blemish is applicable in your horoscope. Your decision making power may be affected and you may meet with any sudden accident.

Sapat (Moon with Rahu or Ketu) Moon blemish is not applicable in your horoscope.

Debilitated Moon blemish

If Moon is situated in debilitated sign in your birth horoscope, then debilitated Moon blemish is applicable in your chart. Due to this blemish, your mental condition may be affected.

Debilitated Moon blemish is not applicable in your chart.

Birth on Krishna Chaturdashi (14th tithi) blemish

If you have born on 14th day of Krishna Paksh, then according to Shastra, your children side may be weak. There may be impediment in your married life; your honour in family may reduce. You may face financial crisis. It may influence your spouse also. You may have suicidal tendency more.

Krishna Chaturdashi birth blemish is not applicable in your horoscope.

Gandmool blemish

If your birth castellation is Rewati, Ashwini, Jyeshtha, Moola, Shlesha or Magha, then Gandmool blemish is applicable in your horoscope.

Gandmool blemish is not applicable in your horoscope.

Nakshatra Gandant blemish

If you are born during last 12 minutes of Rewati, Jyeshtha or Shlesha or first 12 minutes of Moola, Ashvini or Magha Nakshatra of Moon, then Nakshatra Gandant blemish is applicable in your horoscope. According to Shastra, you may get inauspicious results during birth, journeys or marriage.

Nakshatra Gandant blemish is not applicable in your horoscope.

Lagna (Ascendant) Gandant blemish

If you are born during last 12 minutes of Rewati, Jyeshtha or Shlesha or first 12 minutes of Moola, Ashvini or Magha Nakshatra of Ascendant, then Lagna Gandant blemish is applicable in your horoscope. According to Shastra, you may get inauspicious results during birth, journeys or marriage.

Lagna Gandant blemish is not applicable in your horoscope.

Tithi Gandant blemish

If you are born during last 48 minutes of Poorna (5,10,15) tithis or first 48 minutes of Nanda (1,6,11) tithis, then Tithi Gandant blemish is applicable in your horoscope. According to Shastra, you may get inauspicious results during birth, journeys or marriage.

Tithi Gandant blemish is not applicable in your horoscope.

Easy remedies for Planet Moon

First of all have Darshan of Sun and recite Gayatri mantra. Then have bath and recite mantra of Ganesha, lord Shiva and Goddess Parvati. then Recite AUM NAMA SHIVAYA mantra for 108 times. Recite Moon Kavach and offer water to Sun. Don't have non vegetarian food and alcohol on Monday.

- 1-Don't discharge urine or feces while facing towards Sun & Moon or in running water, river or pond.
- 2-Don't disrespect your parents.
- 3-Stay away from mental or physical violence, malicious behavior.
- 4-Don't lose your temper without any reason.

Fasting (Vrata) for Planet Moon



It may be little difficult for many people to recite hymn (Mantra) properly. Having fast on the ruling day of troublesome planet is an easy remedy for them.

You should have fast on Monday to diminish the inauspicious effect of Moon. Fast should start from first Monday of ascending moon (Waxing Moon) of Jyeshtha month. This fast should perform minimum for 10 Mondays and maximum for 54 Mondays. Don't use Gud, Rice, Curd, Salt & Ghee in your food. Offer white flowers to moon and recite Beej mantra or Tantrik mantra of Moon for 324 or 1188 times (3 or 11 rosaries). You should wear white clothes & apply white sandal paste on your forehead before breaking fast. On last Monday perform Holocaust with Hawan and distribute food to poor people.

Respect your parents and elders. You will be happy, int lived and prosperous by practicing it, because it is believed that haven exists in feet of parents. If you serve your parents, take care of them properly, you will get respect and happiness from your children.

As you sow, so as you reap - you will get results according to your actions. You will get mental peace, happiness and prosperity due to your good deeds. On the contrary, you may face various kinds of problems in your life due to bad deeds.

Use of roots to pacify the malefic effects of Moon



There are several methods of distress pacification of planets like donation, recitation of mantra, wearing of gem etc. Wearing of roots is also an easy method for it and it is beneficial too.

Dig up and bring the roots on day related to planet during any auspicious time. Before digging up any root, invite after smoldering the Dhooop and pouring water in it in previous evening. Then dig it up next day before sun rise without using any tool. Root should not cut with any tool.

For Moon, wear the root of Khirani around your neck, arm or waist on Monday or during Rohini, Hast or Shravan castellation after sewing it in white cloth.

Hawan stuffs used to pacify the malefic effects of planet Moon

To get rid from inauspicious results of planet, Hawan is a significant remedy. Materials used in Hawan



is enough beneficial. These stuffs make surroundings holy aint with pacifying planet. Hawan stuffs contain several kinds of roots and herbs and due to this reason its ashes is also very beneficial and alleviate the some diseases totally.

Materials : Red sandal, camphor, saffron, Agar, Tagar, Gorochan
Roots: Khirani Root

Bath & Donation for planet Moon

New Vessel filled with pure Ghee, white clothes, sugarcanes, milk, rice, silver, conch, camphor, cardamom, sugar, sandal, bronze vessel ect. should donate for Moon. Mix little milk or curd in water and take bath from same water. It makes Moon happy .

Yantra for Planet Moon

Draw yantra on birch by using red sandal, Ashtgandh or sandal mixed with saffron by pen made of gold, silver, basil or pomegranate. Yantra can be drawn on gold, silver or copper. But these types of yantras can be worshiped only. For wearing purpose, always draw yantra on birch only. Yantra should always wear in an amulet made of gold, silver or copper. Yantra should be made by person who is wearing sacred thread. In this way, Yantra becomes more powerful and gives full impact on wearer.

7	2	9
8	6	4
3	10	5

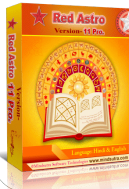
Tantrik Yantra

40	39	24	38	23					
41	6	53	9	8	22				
15	37	16	45	1					
14	43	5	44	46	24				
36	17	52	18	28					
26	13	4	19	2	27				
7	34	33	20	29					
60	35	32	3	59	30				
42	12	21	31	11					
57	54	55	52	58	10	56	47	48	49

Desktop Application

Professional Astrology Software

Red Astro 11



Language:
English & Hindi
Price:
M.R.P: ₹ 35,000/-
Xp, Vista, Window
7, 8, Win 10 Pro.
& Win 11 Pro.
Above Compatible

E-Kundali Prem. 10



Language:
English, Hindi &
Telugu
Price:
M.R.P: ₹ 17,500/-
Xp, Vista, Window
7, 8, Win 10 Pro.
& Win 11 Pro.
Above Compatible

Astro Health Scope



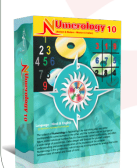
Language:
English & Hindi
Price:
M.R.P: ₹ 12,500/-
Xp, Vista, Window
7, 8, Win 10 Pro.
& Win 11 Pro.
Above Compatible

Marriage Matching Prem.



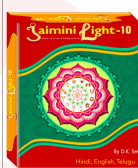
Language:
English, Hindi &
Telugu
Price:
M.R.P: ₹ 7,500/-
Xp, Vista, Window
7, 8, Win 10 Pro.
& Win 11 Pro.
Above Compatible

Numerology 10



Language:
English & Hindi
Price:
M.R.P: ₹ 10,000/-
Xp, Vista, Window
7, 8, Win 10 Pro.
& Win 11 Pro.
Above Compatible

Jaimini Light 10



Language:
English, Hindi &
Telugu
Price:
M.R.P: ₹ 5,000/-
Xp, Vista, Window
7, 8, Win 10 Pro.
& Win 11 Pro.
Above Compatible

Bhrgu Naadi Astro



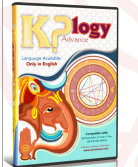
Language:
English & Hindi
Price:
M.R.P: ₹ 12,500/-
Xp, Vista, Window
7, 8, Win 10 Pro.
& Win 11 Pro.
Above Compatible

Lal-Kitab Vastu

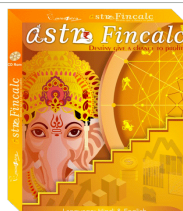


Language:
English & Hindi
Price:
M.R.P: ₹ 5,000/-
Xp, Vista, Window
7, 8, Win 10 Pro.
& Win 11 Pro.
Above Compatible

KP-Logy Advance



Language:
English
Price:
M.R.P: ₹ 6,000/-
Xp, Vista, Window
7, 8, Win 10 Pro.
& Win 11 Pro.
Above Compatible



Astra Fincalc
DESTINY GIVE A CHANCE TO PROFIT

Website: www.mindsutra.com, www.webjyotishi.com

E-Mail ID: mindsutra@gmail.com

PH: 9818193410, 011-49043166, 9350247058

Mindsutra Software Technologies

www.mindsutra.com

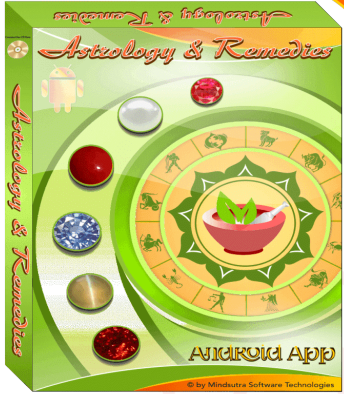
Ph: 9818193410

[Click here to visit our website](#)



Android Application

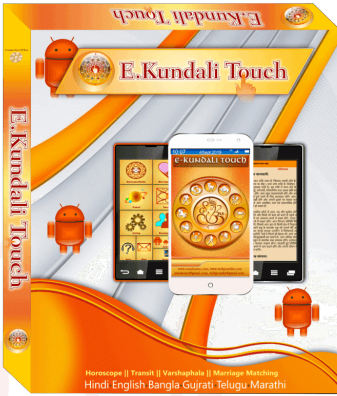
Professional Astrology Android Apps



Language:
English, Hindi

M.R.P: ₹ 2,500 (M.R.P:\$ 35/-for Foreign customer)

Requires Android 2.3 and above



Language:
English, Hindi, Bangla, Gujrati, Telugu & Marathi

M.R.P: ₹ 3,500 (M.R.P:\$ 50/-for Foreign customer)

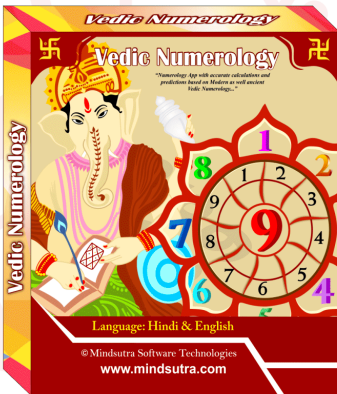
Requires Android 2.3 and above



Language:
English, Hindi

M.R.P: ₹ 3,500 (M.R.P:\$ 50/-for Foreign customer)

Requires Android 2.3 and above



Language:
English, Hindi, Bangla, Gujrati, Telugu & Marathi

M.R.P: ₹ 2,500 (M.R.P:\$ 35/-for Foreign customer)

Requires Android 2.3 and above

Website: www.mindsutra.com, www.webjyotishi.com

E-Mail ID: mindsutra@gmail.com

PH: 9818193410, 011-49043166, 9350247058

[Click here to visit our website](#)

Mindsutra Software Technologies

www.mindsutra.com

Ph: 9818193410

Disclaimer



The calculations, future predictions, and remedies given in this Astrological Report are all based on the principles of either on Vedic Astrology, KP System, Jaimini or Lal Kitab, Numerology which are the result of consulting and engaging highly learned astrologers and astrology practitioners. This Report will prove to be highly useful for astrologers and practitioners of Astrology. We earnestly request the common users of this Report that they should not follow the Lal Kitab and or other prediction/remedies given in this Report without consulting a learned astrologer or an expert on this subject. Failing to do so might lead you to unexpected results which may or may not be favorable towards your well-being.

www.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies makes no warranty about the accuracy of any data contained herein, and the native is advised to not to take as conclusive any prediction generated for him. If you follow the advice given in this report you do so at your own risk, ww.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies or any of its associates are not responsible for the consequence of any event or action.

www.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies shall not stand liable for any damages or harm done.

All disputes are subject to New Delhi Jurisdiction only.

Wishing the very best – prosperity and happiness.

Prepared by mindsutra.com on 08 September 2023, 01:16:48PM
Please visit us at <https://www.webjyotishi.com> Email: mindsutra@gmail.com
Phone: +91 98181 93410

Mindsutra Software Technologies

www.mindsutra.com

Ph: 9818193410